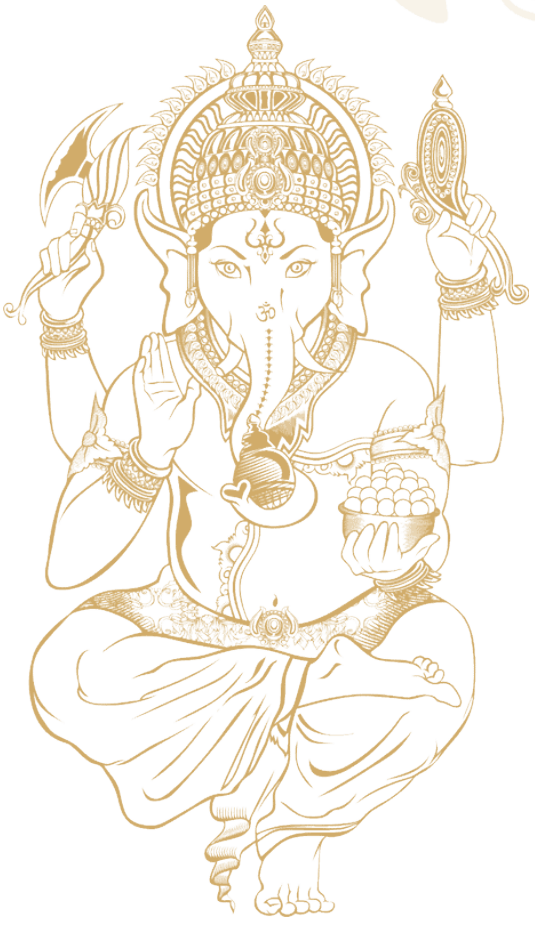

Binayaka Devi

31 Aug 1993

03:00 AM

Sikandarabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121387202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30-31/08/1993**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**03:00:00 घंटे**
इष्ट	52:39:11 घटी
स्थान	**Sikandarabad**
देश	India

अक्षांश	28:27:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:40:48 घंटे
वेलान्तर	-00:00:40 घंटे
साम्पातिक काल	01:17:06 घंटे
सूर्योदय	05:56:19 घंटे
सूर्यास्त	18:42:51 घंटे
दिनमान	12:46:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	13:44:05 सिंह
लग्न के अंश	05:00:24 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	अतिगण्ड
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गुंजन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	05:00:24	307:41:19	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			सिंह	13:44:05	00:58:01	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			कुंभ	00:14:52	12:10:55	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	18:15:18	00:38:50	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	15:14:38	01:55:27	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	21:09:06	00:11:30	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	10:04:30	01:11:27	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	02:21:56	00:04:23	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	14:01:56	00:12:51	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	14:01:56	00:12:51	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		धनु	24:45:52	00:01:18	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप	व		धनु	24:50:42	00:00:55	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			तुला	29:10:12	00:00:57	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			मीन	27:05:51	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:24

लग्न-चलित

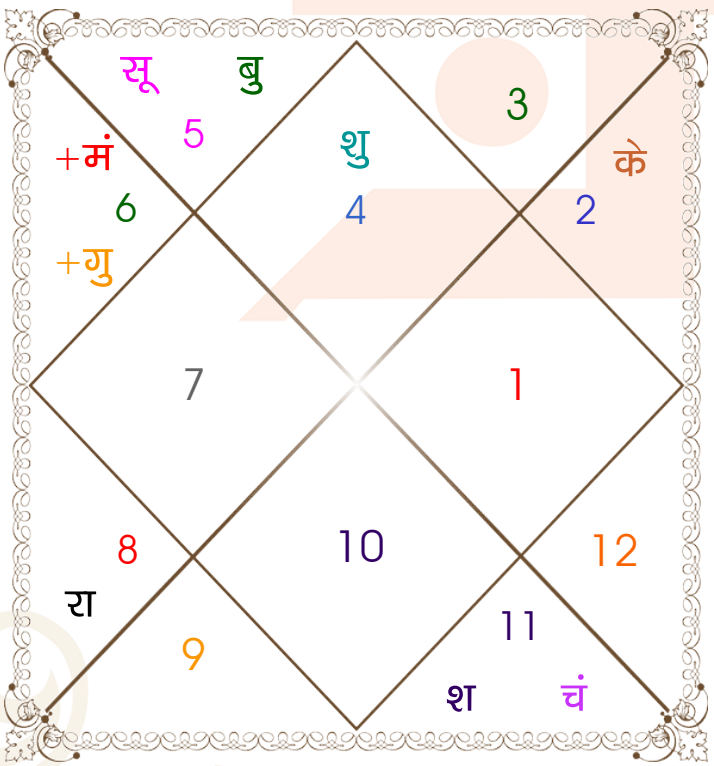

चन्द्र कुंडली

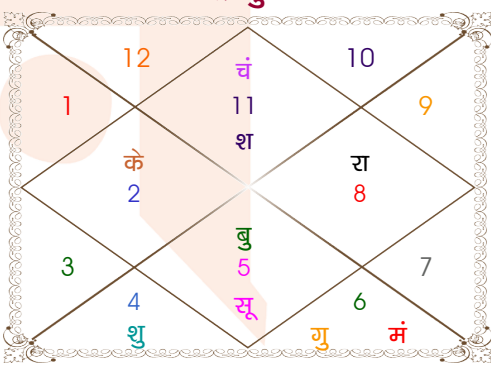

नवमांश कुंडली

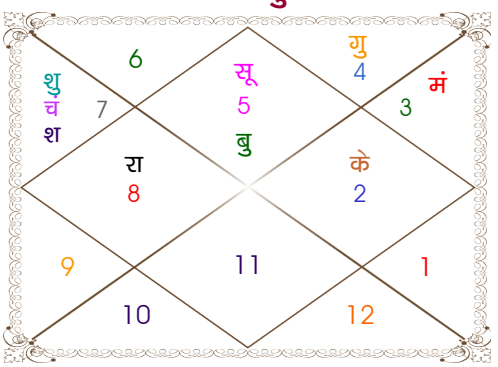

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 4 मास 13 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
31/08/1993		13/01/1997		13/01/2015		13/01/2031		13/01/2050	
13/01/1997		13/01/2015		13/01/2031		13/01/2050		13/01/2067	
	00/00/0000	राहु	26/09/1999	गुरु	02/03/2017	शनि	16/01/2034	बुध	10/06/2052
	00/00/0000	गुरु	18/02/2002	शनि	14/09/2019	बुध	25/09/2036	केतु	08/06/2053
	00/00/0000	शनि	25/12/2004	बुध	19/12/2021	केतु	04/11/2037	शुक्र	07/04/2056
	31/08/1993	बुध	15/07/2007	केतु	25/11/2022	शुक्र	03/01/2041	सूर्य	12/02/2057
बुध	11/07/1994	केतु	01/08/2008	शुक्र	26/07/2025	सूर्य	16/12/2041	चंद्र	14/07/2058
केतु	07/12/1994	शुक्र	02/08/2011	सूर्य	15/05/2026	चंद्र	18/07/2043	मंगल	12/07/2059
शुक्र	07/02/1996	सूर्य	26/06/2012	चंद्र	14/09/2027	मंगल	25/08/2044	राहु	28/01/2062
सूर्य	13/06/1996	चंद्र	25/12/2013	मंगल	19/08/2028	राहु	02/07/2047	गुरु	05/05/2064
चंद्र	13/01/1997	मंगल	13/01/2015	राहु	13/01/2031	गुरु	13/01/2050	शनि	13/01/2067

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
13/01/2067		13/01/2074		13/01/2094		13/01/2100		14/01/2110	
13/01/2074		13/01/2094		13/01/2100		14/01/2110		00/00/0000	
केतु	11/06/2067	शुक्र	14/05/2077	सूर्य	02/05/2094	चंद्र	14/11/2100	मंगल	12/06/2110
शुक्र	10/08/2068	सूर्य	15/05/2078	चंद्र	01/11/2094	मंगल	15/06/2101	राहु	30/06/2111
सूर्य	16/12/2068	चंद्र	13/01/2080	मंगल	09/03/2095	राहु	15/12/2102	गुरु	05/06/2112
चंद्र	17/07/2069	मंगल	14/03/2081	राहु	01/02/2096	गुरु	15/04/2104	शनि	15/07/2113
मंगल	13/12/2069	राहु	14/03/2084	गुरु	19/11/2096	शनि	14/11/2105	बुध	01/09/2113
राहु	01/01/2071	गुरु	13/11/2086	शनि	01/11/2097	बुध	15/04/2107		00/00/0000
गुरु	08/12/2071	शनि	13/01/2090	बुध	07/09/2098	केतु	14/11/2107		00/00/0000
शनि	16/01/2073	बुध	13/11/2092	केतु	13/01/2099	शुक्र	15/07/2109		00/00/0000
बुध	13/01/2074	केतु	13/01/2094	शुक्र	13/01/2100	सूर्य	14/01/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 4 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझी जाएंगी। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगी। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करती हैं। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगी। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करेंगी तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगी। आपको धर्मस्थलों तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगी। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगी।

आप शारीरिक रूप से लम्बी, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगी। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकती हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देती हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाती हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेती हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेती हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपने पति से सम्बंधित रहेंगी। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगी।

आप अपना विवाह सुयोग्य पति के साथ करने की प्राथमिकता देंगी ताकि अच्छी सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो।

आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना,

सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी।

आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाला मोतिया एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।